'draft' note to the other members of the team for making any additional suggestions or alterations, as the case may be. The Department of Parliamentary Affairs have informed that, so far, only four members have communicated their reactions. No reply has been received from the other Members.

It may, however, be mentioned that it has already been decided to preserve the Central Tower and the existing three wings of the Cellular Jail at Port Blair as a national monument.

A decision has also been taken to put up a statue of Netaji Subhas Chandra Bose at Port Blair.

Industrial Production in West Bengal

6093. SHRI SAMAR GUHA: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether industrial production showed promising growth during 1971-72 and the state of growth was maintained during the first part of 1972-73 in West Bengal;

(b) if so, the rate of growth during the period;

(c) the effect on industrial production due to shortage and irregular supplies of raw material and power crisis; and

(d) the reasons for promising growth of industrial production?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI C. SUBRAMANIAM): (a) A statement showing industrial production in West Bengal for certain major industries during 1970, 1971 and 1972 is laid on the Table of of the House [*Placed in Library. See* No. LT-4723/73.]

(b) The precise overall growth rate cannot be worked out because the weighing diagram for these industries specifically for West Bengal is not separately available.

(c) Production in a number of industries has been hampered owing to shortage of steel but this has been only one of several reasons, many units being affected by other difficulties such as shortage of working capital and/or difficult labour relations. No information is available in regard to the effect on production of the recent power cuts.

(d) One factor behind the revival of a favourable industrial climate and of industrial production has been the sixteen-point programme adopted by the West Bengal Government, but tressed by the positive assistance given by the Industrial Reconstruction Corporation of India. A number of units have been revived by take-over of closed engineering units by the Central Government under the Industries (Development and Regulation) Act.

बिहार में डी० जी० टी० डी० की शाखाएं खोलने का प्रस्ताव

6094. **श्री चिरंजीव झा** : क्या **औद्योगिक विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार जैसे इस्पात का उत्पादन करने वाले मुख्य राज्य में डी० जी० टी० डी० के कोई कार्यालय नहीं हैं, और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और इसके कार्यालय उक्त राज्य में कब तक खोले जायेंगे ?

औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री सी० सुब्रह्मण्यम) : (क) बिहार राज्य अथवा किसी भी अन्य

राज्य में तकनीकी विकास के महानिदेशालय का कोई कार्यालय नहीं है ।

(ख) चूंकि तकनीकी विकास के महानिदेशालय के कार्य प्रमुख रूप से सलाह देने और विकास से सम्बन्धित हैं जिसमें संपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र सम्मिलित हैं अतः क्षेत्रीय कार्यालयों की आवश्यकता महसूस नहीं की गई है ।

दिल्ली में सीमेंट की कमी

6095. **श्री शिवकुमार शास्त्री** : क्या **औद्योगिक विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान 'हिन्दुस्तान' (हिन्दी) दिनांक 7 मार्च, 1973 में प्रकाशित दिल्ली के कार्यकारी पार्षद श्री ओ० पी० बहल के उस वक्तव्य की ओर दिलाया गया है जिसमें उन्होंने कहा है कि सीमेंट की दिल्ली में जितनी मांग है उसमें आधा भी गत माह नहीं आया;

(ख) क्या इससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है; और

(ग) यदि हां, तो सीमेंट की अपेक्षित मात्रा में सप्लाई को सुनिश्चत करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

औद्योगिक विकास मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री प्रणव कुमार मुखर्जी) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग). निम्नलिखित कारणों से सीमेन्ट के उत्पादन में गिरावट आ जाने के कारण इन दिनों सीमेन्ट की कमी हो रही है :—

(क) 17 अगस्त, 1972 से 29 अगस्त, 1972 तक श्रमिकों की आम हड़ताल ।

(ख) हरियाणा, गुजरात, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, उड़ीसा, मैसूर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के राज्य विद्युत् बोर्डों द्वारा की गई बिजली की कटौती ।

(ग) आन्ध्र प्रदेश में मशीनों के खराब हो जाने तथा अशान्त स्थिति जिसके कारण यातायात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ।

इन कारणों के फलस्वरूप सीमेन्ट के उत्पादन में हुई अनुमानित कमी करीब 4 लाख मी० टन प्रतिमास है । जहां तक दिल्ली क्षेत्र का सम्बन्ध है 1965 से लेकर दिल्ली को भेजी जाने वाली सीमेन्ट की मात्रा में निरन्तर वृद्धि होती रही है किन्तु मांग में अधिक तेजी से वृद्धि हुई है । दिल्ली की सम्भरण स्थिति पर उपरि-लिखित कारणों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । जब कभी भी कमी की सूचना मिलती है, रेल विभाग के परामर्श से रेल द्वारा शीघ्रता से सीमेन्ट पहुंचाने के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं । दिल्ली की तात्कालिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए 13 मार्च, 1973 को 10,000 मी० टन अतिरिक्त सीमेन्ट भेजा गया था जो अब पहुंच गया है । समान वितरण का सुनिश्चय करने के लिए